International Journal of Fundamental & Applied Research
Website : www.ijfar.org ,(ISSN- 2320-7973 Volume-5 Issue -5 Month – August 2017 pp. (08 – 11)

स्वतंत्रोतर भारत में धर्म आधारित जनगणना के आकड़ों का विश्लेशण

eerk ?kkjekj* vkj lh-,e- feJ**
* शोधार्थी शास. ठाकुर रणमत सिंह (स्वशासी एवं उत्कृश्ट) महाविद्यालय रीवा (म.प्र.)
** प्राचार्य शास. नवीन महाविद्यालय, मनगवां जिला–रीवा (म.प्र.)

प्रस्तावनाः–

धर्म का सम्बंध मनुश्य की भावनाओं, श्रद्धा और भक्ति से ही जो उसका सम्बंध अलौकिक ाक्ति से जोडती है। धर्म मनुश्य में आन्तरिक जीवन को तो प्रभावित करता ही है,साथ में उसके सामाजिक, संस्कृतिक तथा अर्थिक जीवन को भी प्रभावित करता है। धर्म सामाजिक व्यवस्था को नियजित करने का एक साधन है। देविक ाक्ति, पाप और पुण्य तथा स्वर्ग और नरक आदि के भय मनुश्य सामाजिक नियमों का पालन करता है। धर्म को अपनाकर सामाजिक नियमों का पालन करता है। जिससे सामाजिक व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित होती है। ई0बी0 टॉयलर (म्ण्ठण् ज्लसवत) ने कहा है। कि धर्म आध्यात्मिक ाक्ति पर विश्वास है। भारत प्राचीनकाल से ही विभिन्न धर्मो की उत्पत्ती का मूल केन्द्र रहा है। भारत अनेक धर्मो का देश है। विश्व में सम्भवतः एक भी देश नही है जहां भारत के समान धर्मो की विविधता तथा बहुलता पायी जाती है। भारत में मुख्य रूप से छः धर्मो अर्थात हिन्दु, मुस्लमान, सिक्ख, ईसाई, बौद्ध, और जैन अधिक है। इसके अतिरिक्त यहॉ कुछ पारसी तथा जनजाति धर्म को मनाने वाले लोग भी है। इतना ही नही सभी प्रमुख धर्मो में अनेक सम्प्रदाय के लोग भी पाये जाते है। प्रत्येक सम्प्रदाय की भी अनेक ाखाएँ और उपशाखाएँ हो, ैव, वैश्णव, ब्रह्मसमाज, आर्य समाज आदि, बौद्ध समाज में महायान, हीनयान, जैन धर्म में वेताम्बर और दिगम्बर प्रमुख धार्मिक सम्प्रदाय है। भारत चार प्रमुख धर्मो का जन्मस्थान हो ये ही हिन्दु, बौद्ध,जैन, और सिक्ख। हिन्दु धर्म संसार का प्राचीनतम धर्म हैं। इसका विकास मनुश्य की प्राकृति के साथ निरन्तर अन्त क्रिया और उसके जीवन की अंत की व्यक्तिगत खोज का परिणाम है। भारत में जन्में धर्म, दर्शन, और जीवन के प्रति दृश्टिकोण के कारण हिन्दु धर्म के बहुत निकट है। अन्य धार्मिक विश्वासों वाले लोग भारत में निरन्तर आते रहे है।

/kkfeZd lj?kBu&

लोगों के सामाजिक–सांस्कृतिक जीवन में धर्म का बहुत महत्व होता है। धार्मिक दर्शन मानव जीवन के विभिन्न पक्षों को प्रभावित करता है। निचे तालिका 4.1 प्रदर्शित है। जिसमें जनगणना 2001 तथा 2011 के आधार धर्मानुसार जनसंख्या का प्रतिशत दर्शाया गया है।

rkfydk 4-1

Hkkjr 2001 vkj 2011 /keZkuqlkj tulQ[;k ifr'kr

/kkfeZd leg	2001	2011
हिन्दु	80.50	79.8
मुस्लिम	13.40	14.2
ईसाई	2.33	2.3
सिक्ख	1.84	1.7
बौद्ध	0.76	0.7
जैन	0.40	0.4

Corresponding Author : email : sadhanapandey1967@gmail.com

International Journal of Fundamental & Applied Research
Website : www.ijfar.org ,(ISSN- 2320-7973 Volume-5 Issue -5 Month – August 2017 pp. (08 – 11)

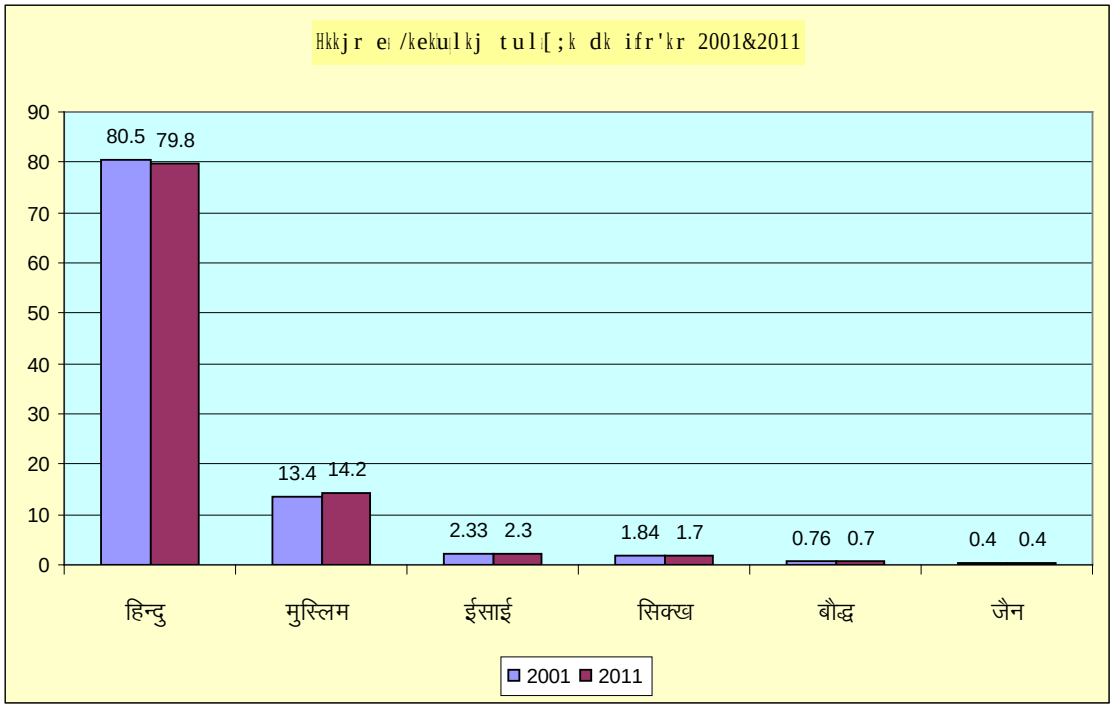

2

भारत एक महान प्राचीन देश है, जिसने हिन्दु, बौद्ध, जैन, तथा सिक्ख जैसे महत्व पूर्व धर्मो का जन्म दिया इसके अतिरिक्त इस्लाम तथा ईसाई धर्म के अनुयायी भी यहॉ आकर बस गए। इन धर्मो ने भारत के विभिन्न भागों में संस्कृति को ही प्रभावित नही किया बल्कि रीति–रिवाजों पर भी गहरा प्रभाव डाला हैं। इस प्रकार धर्म ने भारत के सामाजिक जीवन में विविधता प्रदान की है। परन्तु भारत एक धर्म निरपेक्ष देश है। जिसमें विभिन्न धर्मो के अनुयायी एकता के सूत्र में बंधे हुए है। इस प्रकार भारत की धार्मिक विविधता में भी एकता है। भारत की बहुत ही कम जनसंख्या लगभग .01 प्रतिशत किसी भी धर्म को नहीं मानती।

fgUn–

भारत के सात धर्मो में हिन्दु धर्म को मानने वालों की संख्या सर्वाधिक है। जनगणना 2001 के अनुसार हिन्दुओं की कुल जनसंख्या का प्रतिशत 80.5 है। यह भारत का हजारों वर्श पुराना धर्म है और इसके स्त्रोत का पता लगाना एक कठिन कार्य हैं। हिन्दु धर्म के इतने बड़े महत्व के कारण भारत को 'हिन्दुस्तान' अर्थात हिन्दुओं का देश भी कहा जाता हैं। भारत के अधिकांश भागों में हिन्दुओं का बहुमत है। भारत के 300 जिलों में 60 प्रतिशत से अधिक हिन्दु है। केवल सुदूर उत्तर (जम्मूकश्मीर) तथा उत्तरी– पूर्वी भारत में ही हिन्दु का प्रतिशत 20 से कम है। जनगणना के आधार पर पता चलता है कि हिमाचल प्रदेश की कुल जनसंख्या में हिन्दुओं का अनुपात सर्वाधिक 95.4 प्रतिशत है। और मिजोरम में न्यूनतम 3.6 प्रतिशत है। जनगणना 2011 के आधार पर हिन्दु जनसंख्या में कमी दर्ज की गई है। हिन्दुओं की जनसंख्या 79.8ः रह गई है।

eqfLye–

यह भारत का दूसरा बड़ा धार्मिक समुदाय है। 2001 की जनगणना है। आधार पर मुस्लमानों की कुल जनसंख्या 13. 4 प्रतिशत थी। परन्तु 2011 के आधार पर इसमें थोड़ी वृद्धि दर्ज की गई है। जो बड़कर 14.2ः हो गई है। जनगणना के आधार पर सबसे अधिक मुस्लमान उत्तरप्रदेश में रहते है। दूसरे स्थान पर पश्चिम बंगाल और तीसरे स्थान पर बिहार का है। देश की कुल जनसंख्या में मुस्लमानों की जनसंख्या का सबसे कम अनुपात (1.1 प्रतिशत) मिजोरम तथा सबसे अधिक (67 प्रतिशत) जम्मू और कश्मीर में पाया जाता है। केन्द्र शासित प्रदेशों में लक्षद्वीप में मुस्लमानों का अनुपात सर्वाधिक (95.5 प्रतिशत) हो असाम, बिहार, झारखण्ड, केरल, उत्तरप्रदेश, पश्चिम बंगाल,का अनुपात राश्ट्रीय औसत से अधिक है।

bZlkbZ–

2001 की जनगणना के आधार पर भारत में इनका प्रतिशत 2.33 था। ईसाईयों का अधिक संकेदण उत्तर – पूर्वी राज्यों में है। उदाहरण : नागालैण्ड की कुल जनसंख्या का 90. 10 भाग ईसाईयों का है। इसी प्रकार मिजोरम की 87 प्रतिशत तथा मेघालय 70 प्रतिशत जनसंख्या ईसाईयों की है। दक्षिण भारत में गोवा तथा केरल का अनुपात है जहॉ कुल जनसंख्या का क्रमशः 26.7 प्रतिशत तथा 19.0 प्रतिशत ईसाई है। परन्तु ईसाईयों की वास्तविक संख्या की दृश्टि से केरल, तामिलनाडू, आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक, बिहार, मिजोरम, तथा गोवा महत्वपूर्ण राज्य है।

fl[k–

Corresponding Author : email : sadhanapandey1967@gmail.com

International Journal of Fundamental & Applied Research
Website : www.ijfar.org ,(ISSN- 2320-7973 Volume-5 Issue -5 Month – August 2017 pp. (08 – 11)

भारत में सिख समाज का जनगणना 2001 के आधार पर कुल जनसंख्या का 1.8 प्रतिशत भाग था, परन्तु 2011 की जनगणना के आधार पर इनकी संख्या में थोड़ी कमी दर्ज की गई है। जो 1.8 से घटकर 1.7 प्रतिशत हो गई हैं। सिख मुख्यतः पंजाब में ही केन्द्रित है।क्योंकि सिख धर्म का जन्म पंजाब में गुरू नानक देव की शिक्षा से ही हुआ है। पंजाब के अधिकांश जिलों में 60–65 प्रतिशत जनसंख्या सिखों की है। पंजाब में 59.9 प्रतिशत सिख हो जबकि 36.9 प्रतिशत हिन्दु है। हरियाणा, हिमाचलप्रदेश, राजस्थान, जम्मूकश्मीर, उत्तराखण्ड, के तराई प्रदेश तथा दिल्ली में भी पर्याप्त संख्या में सिख रहते है। देश के अन्य भागों में नगण्य है।

ck) :– भारत में जनगणना के आधार पर इनका कुल जनसंख्या का 0.76 प्रतिशत जनगणना 2001 के आधार पर रहा है परन्तु जनगणना 2011 के आधार पर कुछ कम हो गई है जो घटकर .7 प्रतिशत हो गई है। जो मुख्य रूप से महाराश्ट्र, अरुणांचल प्रदेश, सिक्कम, तथा जम्मूकश्मीर के जिलों में केन्द्रित है। कुछ बौद्ध मिजोरम, त्रिपुरा तथा हिमाचल प्रदेश में भी रहते है। उत्तरी भारत में वृद्ध अनुयायियों के अधिक होने के कारण यह है कि बौद्ध धर्म का जन्म ही यहॉ पर हुआ था। भारत के 67 प्रतिशत बौद्ध केवल महाराश्ट्र में है। यद्यपि ये इस राज्य की कुल जनसंख्या का केवल 6 प्रतिशत भाग ही है। महाराश्ट्र के 58.4लाख बौद्ध मुख्यतः डॉ. बीआर अम्बेडकर की देन है। जिन्होंने बहुत से हरिजनों को बौद्ध धर्म अपनाने कें लिए प्रेरित किया। सिक्किम में 1.5 लाख बौद्ध है। जो इस राज्य का 28 प्रतिशत भाग है। यह भारत में सबसे अधिक प्रतिशत है, अरूणाचल प्रदेश में 13 प्रतिशत बौद्ध है।

rkfydk 4-2

'kh'k ikp fgUnw tula[;k okys dsUnz 'kkflr jkT;

jkT;	tula[;k djkM+ ¼2001½
दिल्ली	1.13
पांडिचेरी	8.4
चण्डीगढ़	7.07

tSu& जनगणना 2001 के आधार पर भारत की कुल जनसंख्या का 0.4 प्रतिशत भाग में जैन धर्म के लोग है। अर्थात भारत में 42 लाख जैन धर्म के लोग है। जो कि देश के पश्चिम भगा में दूर–दूर तक वितरित है। महाराश्ट्र (15 लाख) राजस्थान (6.5 लाख) गुजरात (5.2 लाख) जैनों के मुख्य राज्य है। परन्तु जनगणना के आधार पर किसी भी राज्य में जैन लोगों की कुल जनसंख्या 1.3 प्रतिशत से अधिक है।

fgUnw /keZkoyEch & भारत में हिन्दू धर्म को मानने वालों की जनसंख्या सर्वाधिक है। जनगणना 2001 के आधार पर ीर्श पांच हिन्दू जनसंख्या वाले राज्य और ीर्श तीन हिन्दू जनसंख्या वाले केन्द्र ाासित प्रदेश इस प्रकार है।

rkfydk 4-3

'kh'k ikp fgUnw tula[;k okys jkT;

jkT;	tula[;k djkM+ ¼2001½
उत्तरप्रदेश	13.39
महाराश्ट्र	7.78
बिहार	6.90
आन्ध्रप्रदेश	6.78
पश्चिम बंगाल	5.81

/kkfed vYila[;d&

भारत एक बहु–धार्मिक देश है– भारत में हिन्दु बहुसंख्यक समुदाय है। जिसकी आबादी 81 प्रतिशत से अधिक है जबकि देश में अल्पसंख्यकों की संख्या जनगणना 2001 के आधार पर 18.42 प्रतिशत है पांच समुदाय मुस्लिम, ईसाई, सिख बौद्ध तथा पारसी राश्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम (1992) के अनुच्छेद 2(c) के अन्तर्गत अल्पसंख्यक समुदाय के रूप में अधिसूचित है। पारसी भारत का सबसे छोटा अल्पसंख्यक समुदाय है जिसकी जनसंख्या केवल 1.67 लाख जनगणना 2001 के आधार पर दर्ज की गई है।

देश से अल्पसंख्यक समुदाय का वितरण असमान है। जैसे मुस्लिम समुदाय की आबाद देश के अधिकांश राज्यों में 5 से 25 प्रतिशत के बीच है। कुछ राज्यों को छोड़कर जैसे अरूणाचल प्रदेश (1.9%, छत्तीसगढ़ (2.0%) हिमाचल प्रदेश (2. 07%) मिजोरम (1.1%)तथा नागालैण्ड (1.8%) भारत में 13.4 प्रतिशत मुस्लिम है। (2001) भारत में लगभग 2.3 प्रतिशत ईसाई है। उनकी आबादी कुछ राज्यों में अधिक है जैसे नागालैण्ड (90%) मिजोरम (87%) मेघालय (70%) तथा गोवा (27%) उत्तरी तथा पश्चिमी भारत में उनकी जनसंख्या नगण्य है। सिख अल्पसंख्यक मुख्य रूप से पंजाब (60%) हरियाणा (5.5%) तथा उत्तराखण्ड (2.5%) है। उनकी आबादी देश के अन्य भागों में बहुत कम है। सिख एक प्रगतिशील तथा मेहनती समुदाय है। जिसने लगभग सभी क्षेत्रों में अपनी पहचान बनायी है। बौद्ध धर्म के लोगों की आबादी मात्र 0.8 प्रतिशत है सिक्किम (28%) तथा अरूणाचल प्रदेश (13%) में उनकी संख्या अधिक है। इसके अतिरिक्त मिजोरम में 8 % तथा महाराश्ट्र में 6 % बौद्ध के लोग है । पारसी मुंबई, सूरत तथा अहमदाबाद के नगरो तक ही सीमित है। पारसी मुख्य रूप से उद्योगपति तथा व्यवसायिक होते है। अल्पसंख्यक समुदाय के लिए ाासन ने विभिन्न प्रकार की योजनाएं चला रखी है। ताकी समाज में इनका स्तर ऊपर उठ सके। कई स्वरोजगार योजनाओं के लिए भी वित का प्रबंध किया गया है। अल्पसंख्यक समुदाय के पिछड़े वर्ग के लिए अन्य आर्थिक पहलें भी की गई है।

vuqlfpr tutkfr;k ¼& भारत की 15वीं जनगणना 2011 के अंतिम रिपोर्ट के अनुसार भारत में अनुसूचित जनजाति की

Corresponding Author : email : sadhanapandey1967@gmail.com

International Journal of Fundamental & Applied Research
Website : www.ijfar.org ,(ISSN- 2320-7973 Volume-5 Issue -5 Month – August 2017 pp. (08 – 11)

संख्या 10,42,81034 है जो देश की कुल जनसंख्या का 8.6 प्रतिशत है। भारत में सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या मध्यप्रदेश (1,53,16784) में पायी जाती है। जो राज्य की जनसंख्या का 21.1 % है। अनुसूचित जनजाति जनसंख्या प्रतिशत के आधार पर राज्यों। केन्द्रशासित प्रदेशों में लक्षद्वीप में सर्वोत्तम (94.8%) प्रतिशत में पायी जाती है। इसके बाद मिजोरम (94.4 प्रतिशत वां स्थान है) ध्यान देने वाली बात यह है कि पाण्डिचेरी, दिल्ली चण्डीगढ., हरियाणा तथा पंजाब में कोई भी अनुसूचित जनजाति नहीं पायी जाती है। दादर एवं नगर हवेली में संख्या की दृश्टि से सर्वाधिक (178564) अनुसूचित जनजाति पाये जाते है जो किसी केन्द्र ाासित प्रदेश सर्वाधिक है। ज्ञात हो कि भारतीय संविधान में मूलरूप से 212 जातियों को अनुसूचित जनजातियां घोशित किया गया था किन्तु वर्तमान में अनुसूचित जनजातियों की सूची में 550 जनजातियां ाामिल है। ाीर्श पांच अनुसूचित जनजाति जनसंख्या वाले राज्य निचे तालिका में दिये गये है जो निम्न है–

rkfydk 4-4

’kh’kZ ikap vuqlwfpr tutkfr tula[;k okys jkT;@dsa- ’kk- izns’k

jkT;	tula[;k
मध्यप्रदेश	1,53,16,784
महाराश्ट्र	1,05,10,213
बिहार	95,90756
आन्ध्रप्रदेश	92,38,534
पश्चिम बंगाल	89,17,174

सामान्य जनसंख्या में प्रतिशत की दृश्टि से ाीर्श पांच अनुसूचित जनजाति वाले राज्य/केन्द्र ाासित प्रदेश कुछ इस प्रकार है। तालिका एवं ग्राफ देखा जा सकता है।

rkfydk 4-5

’kh’kZ ikap vuqlwfpr tutkfr tula[;k okys jkT;@dsa- ’kk- izns’k

jkT;@dsa-’kk-izns’k	izfr’kr
लक्षद्वीप	94.8 %
मिजोरम	94.4 %
नागालैण्ड	86.5 %
मेघालय	86.1 %
अरूणाचल प्रदेश	68.8 %

fu’d’kZ

उपरोक्त प्रयासों के फलस्वरूप यद्यपि मुस्लिम समस्याओं का बहुत हद तक समाधान संभव हुआ है तथापि आज भी यह एक प्रमुख पिछड़ा समुदाय है (सच्चर समिति) अतः इनकी समस्याओं समाधान हेतु निम्न सुझावों पर अमल किया जा सकता है–

1 विभिन्न धर्मो के बीच पारस्परिक विश्वास को अनेक संयुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रमों के द्वारा या एक– दूसरें के कार्यक्रमों में सहभागिता के द्वारा बढ़ाया जाना चाहिए।

2. उन्हें विकास की मुख्य धारा में ाामिल करके उनके मन में बैठे उपेक्षा के भाव को दूर करना चाहिए।

3. उनमें धर्मनिरपेक्ष आधुनिक शिक्षा का प्रसार करना चाहिए और इसके लिये आधुनिक शिक्षा को उनके मजहबी शिक्षा के समक्ष मजबूत विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना चाहिए।

4. उन्हें परिवार नियोजन को अपनाने हेतु प्रेरित करना चाहिए।

5. उनमें गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा आदि के उन्मूलन हेतु विशेश योजनागत प्रयास किए जाने चाहिए।

6. उनमें भारतीय के आधार पर 'हम की भावना' विकसित करनी चाहिए।

7.उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में मीडिया की सकारात्मक भूमिका को सुनिश्चित करना चाहिए।

8. उपरोक्त के अलावा सच्चर समिति के द्वारा प्रस्तुत कुछ एक अन्य सुझावों पर भी ध्यान देना चाहिए।

उपरोक्त सुझावों पर अमल करते हुए मुसलमानों की समस्या का समाधान करके ही एक बहुलक आधुनिक समाज के रूप में भारत की राष्ट्रीय एकता व अखंडता को सुनिश्चित किया जा सकता है।

संदर्भ –

1. पाण्डेय, एस. के. ''समाजशास्त्र'' टाटा मेग्राहिल– एजुकेशन प्रा. लि. (2012)
2. डाटा बैस फार पापुलेशन एण्ड लिटरेसी, (2001)
3. Registrar General & Census Commissioner, India-2011.
4. Premi Mahendra K. 1991, India's Population: Heading towards a Billion, B.R. Publishing Corporation.
5. http://censusindia.gov.in/2011-
6. provresults/paper2/data_files/india/Rural_Urban_2011.pdf

****

Corresponding Author : email : sadhanapandey1967@gmail.com